

यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना

जय महावीर

जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2021

समय : 3 घण्टे

12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 4

अंक 97+3=100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं

नोट:- सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्ट होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएंगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो $\frac{1}{4}$ / $\frac{1}{2}$ सही या $\frac{1}{4} \times \frac{1}{2}$ गलत करें। $\frac{1}{4}$ $\frac{1}{2}$

2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। $\frac{1}{4}$ $\frac{1}{2}$

सूत्र विभाग

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों को भरिए-

20

1. पन्द्रह कर्मादान काया।
2. पाँच महाव्रत मन समाधारणया
3. अहवा खामेमि।
4. सेंभिय वोसिरामि
5. एवं यथा परिमाण किया है एगविहं तिविहेण
6. भोयणाओ आलोउं
7. इत्तरियपरिग्गहिया विवाह कराया हो
8. अहोकायं वइक्कंतो
9. वृथपडिग्गह ओसहभेसज्जेण
10. औपपातिक वृष्णिदशा

प्रश्न 2. निम्न शब्दों के अर्थ लिखो।

10

1. धोसहीणं

.....

2. भक्षविहि

.....

3. अंजलि

.....

4. विसोहणत्थं

.....

5. बहुमयं

.....

6. दुच्चिद्धियस्स

.....

7. सव्व धम्माइक्कमणाए

.....

8. असावगपाउग्गो

.....

9. कूडतुलकूडमाणे

.....

10. तितीसन्नयराए

प्रश्न 3. संख्या में उत्तर दो

10

1. प्रतिक्रमण की विधि में करेमी भंते का पाठ कितनी बार आता है

2. अंग सूत्र कुल कितने हैं

3. साधुजी कितने प्रकार की तपस्या करते हैं।

4. आचार्य भगवन् के गुण कितने।

5. इस लोक में वर्तमान में कितने अरिहंतं भगवन् विचरण कर रहे हैं।

6. श्रावक जी के कितने गुणव्रत हैं।

7. सातवे व्रत में उपभोग परिभाग की कितनी वस्तु का वर्णन किया गया है।

8. आठवे विरमण व्रत में कितने आगार बताए हैं।

9. अतिचार कुल कितने हैं।

10. अरिहंत भगवान कितने लक्षण के धारक हैं।

काव्य विभाग

प्रश्न 4.

20

1. नैवं तथा	महत्वं
2. गंभीर तार	भूतिदक्षः
3. कल्पान्त काल	भुजाभ्याम्
4. जग में	अर्थ है
5. झगड़ा मचाने	अपनी हँसी
6. अन्य मंत्रो	मैंने दिया
7. धर्म से प्रीत	व्यापार है
8. ब्रह्मज्ञान	तुमको लाखों प्रणाम
9. अरिहंत उत्तमं	जिनधर्म उत्तमं
10. ग्यारह गणधर	किनारा जी।

तत्त्व विभाग

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति करो।

7

1. सम्यक्त्व की सुरक्षा के लिए जिन बातों की सावधानी रखी जाती है उन्हें कहते हैं।
2. जीव द्रव्य है।
3. निर्ग्रन्थ-प्रवचन रूप की भक्ति करने से तीर्थकर पद प्राप्त होता है।

4. जिस काल में जितने सूत्र उपलब्ध हों, उनको पढ़कर अन्य जीवों को उनका ज्ञान कराने वाले
कहलाते हैं।
5. जाति-स्थविर वर्ष की वय वाले होते हैं।
6. सूत्र में पुण्यवान जीवों को प्राप्त होने वाली 10 प्रकार की उत्तम सामग्री का वर्णन मिलता है।
7. परस्पर संबद्ध अनेक कुलों के समूह को कहते हैं।

प्रश्न 2. जोड़ी मिलाइये

8

1. कुल	बहुश्रुत
2. स्कन्धों	चिन्ह
3. विशिष्ट ज्ञानी	क्षुधित
4. व्यापन	साधु समुदाय
5. लिंग	समूह
6. पेटी	सम्यक्त्व का वमन करने वाले
7. भूखा	वैयावृत्य
8. उपकरण संपादन	निधान

कथा विभाग

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

10

1. ऋषभदेव ने कर्मों के आधार पर कितने वर्णों की व्यवस्था की? संक्षेप में उन वर्णों के बारे में वर्णन करें।
-
-
2. कौन-सा यक्ष अर्जुनमाली की देह में प्रविष्ट हुआ? देह में प्रवृष्ट होने के बाद वह क्या करता था?
-
-
3. ढंडण मुनिवर को किस कारण से गोचरी में बाधा उपस्थित होती थी?
-
-

4. भगवान ऋषभदेव का पारणा किनके हाथ से, कौन-सी नगरी में और किस चीज से हुआ?

.....

.....

5. भगवान ऋषभदेव को कौन-से दिन, किस आसन में और कहाँ पर मोक्ष प्राप्त हुआ?

.....

.....

सामान्य ज्ञान विभाग

1. लेश्या की परिभाषा लिखें। छः लेश्याओं का नाम लिखें और छः लेश्या का स्वरूप दृष्टांत से समझाइए। 5

.....

.....

.....

.....

.....

.....

2. संथारे के कितने प्रकार हैं? नाम लिखें। आत्महत्या और संथारा में अंतर लिखें।

5

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. सुभाषित लिखें।

2

क्षण

..... आराम